|  |
| --- |
| 8. September |
| **Fest Mariä Geburt** |
| Lesung: Mi 5,1-4a oder Röm 8,28-30; Evangelium: Mt 1,1-16.18-23 (oder 1,18-23) |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 523, 1-3 | O Maria sei gegrüßt |
|  | GL 526 | Alle Tage sing und sage |
|  | GL 824 | Maria ging hinaus |
|  | GL 818, 1+6 | Ave Maria klare |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 3 | Herr Jesus |
|  | GL 153 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 172 | Gott in der Höh sei Preis und Ehr |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 13,6a-d |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 390 | Magnificat |
|  | GL 650, 2 | Mein Geist jubelt über Gott |
|  | oder |  |
|  | GL 400 | Ich lobe meinen Gott |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Selig bist du, Jungfrau Maria,* |
|  | *und allen Lobes überaus würdig.* |
|  | *Denn aus dir ging hervor die Sonne der Gerechtigkeit.* |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 357, 1+2 | Wie schön leuchtet der Morgenstern |
|  | GL 530, 1+2+4 | Maria, Mutter unsres Herrn |
|  | GL 717, 1+2 | Schau erbarmend auf uns nieder |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 198 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |
|  | GL 822 | Groß sein lässt meine Seele den Herrn |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 521, 1+6 | Maria dich lieben |
|  | GL 535, 1-3 | Segne, du, Maria |
|  | GL 530, 1-4 | Maria, Mutter unsres Herrn |
|  |  |  |
|  |  |  |